



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग—II खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART—II Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 363]
No. 263]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 6, 1979/भाद्र 15, 1901
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 6, 1979/BHADRA 15, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate pagling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली 6 सितम्बर, 1979

आदेश

का०आ० 517 (अ) —18/एक डी०आर्डी०डी०आर०ए०/79 भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के का०आ० 661(अ) दिनांक 7 सितम्बर, 1977 (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह पापगा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के गृहस्थान्तरण पत्रों, करारों, व्ययस्था पत्रों, पंखाटो स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनमें भिन्न जा बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों में सम्मिलित है) जिनका मेमर्स यूनियन जूट कम्पनी लिमिटेड कलकत्ता या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कंपनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी का लागू हो, का प्रवर्धन एक वर्ष की अवधि के लिए निरन्तर रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोदमन या उदमन होने वाले सभी अधिकार, विशेष अधिकार, बाह्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे,

और भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) ने आदेश संख्या का०आ० 544(अ)/18 चख/आर्डी०डी०आर०ए०/78 दिनांक 6 सितम्बर, 1978 के द्वारा उक्त आदेश की अवधि 6

590 GI/79

सितम्बर, 1979 तक की जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ा दी थी।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 6 सितम्बर, 1980 तक की और अवधि के लिये, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ा दी जाए।

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश की अवधि, 6 सितम्बर, 1980 तक की और अवधि के लिये जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[मिनिश्वर सहरा 3/4/77-सी० य० सी०]

य० राय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 6th September, 1979

ORDER

S.O. 517(F)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 661(E), dated the 7th September, 1977, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, stan-

(887)

ding orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Union Jute Company Limited, Calcutta or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shall remain suspended for a period of one year, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 544(E)/18FB/IDRA/78, dated the 6th September, 1978, the duration of the said Order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1979 ;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1980 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 6th September, 1980.

[F. No. 3/4/77-CUC]

B. ROY, Jt. Secy.